(GI-7, VI-VDI-SI-3)

DATE: 27.02.2022 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

ANSWER (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. c
2. Ans. b
3. Ans. c
4. Ans. d
5. Ans. d
6. Ans. d
7. Ans. c
8. Ans. a
9. Ans. c
10. Ans. c
11. Ans. c
12. Ans. d
13. Ans. a
14. Ans. d
15. Ans. b
16. Ans. d
17. Ans. d
18. Ans. b
19. And. d
20. Ans. d

ANSWER (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. Ans. d
22. Ans. b
23. Ans. b
24. Ans. a
25. Ans. a

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:

Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

(i) **गलतः** विश्लेषणात्मक प्रविधियों के अनुसार ''विश्लेषणात्मक प्रविधिया'' का अर्थ वित्तीय सूचना का वित्तीय व गैर–वित्तीय डाटा के मध्य संबध के विश्लेषण से मूल्याकंन है।

(ii) **गलतः** कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार एक व्यक्ति किसी कम्पनी के लेखा परीक्षक के रूप में, नियुक्ति के लिए पात्र नही होगा, यदि उसका रिश्तेदार कम्पनी में **रु** 1,00,000 से अधिक के अंकित मूल्य की प्रतिभूति या हित धारण करता है।

इसलिए, AB & Co. XYZ के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त होन के लिए अयोग्य है जैसे Mr. C रिश्तेदार है Mr. B के जो कि AB & Co. मे साझेदार है, XYZ लि.में अंकित मूल्य **रु** 2,00,000 की प्रतिभूतियाँ धारण करते है।

(iii) **गलतः** SA 240 के अनुसार ''वित्तीय वक्तव्यों की एक अंकेक्षण में धोखाधड़ी में संबंधित अंकेक्षक की जिम्मेदारियों'', धोखाधड़ी वित्तीय रिपोर्टिग में जोड़–तोड़, मिथ्याकरण या परिवर्तन लेखाकन रिकॉडों दस्तावेज शामिल हो सकते है जिनमें से वित्तीय वक्तव्य तैयार किए गए है, या जानबूझकर चूक, घटनाओं के वित्तीय वक्तव्यों, लेन–देन या अन्य निजता जानकारी या मात्रा, वर्गीकरण, प्रस्तुति या प्रकटीकरण के तरीके से संबंधित लेखांकन सिद्धातों का गलत उपयोग।

(iv) **सही** : SA-300, ''वित्तीय विवरण की अंकेक्षण की योजना'' के अनुसार योजना एक अंकेक्षण का अलग चरण नहीं है, परन्तु एक लगातार तथा दोहराने वाली प्रक्रिया है जो प्रायः गत अंकेक्षण की पूर्णता के पश्चात (अथवा के सम्बन्ध में) एक दम आरम्भ होता है तथा चालू अंकेक्षण लिप्तता की पूर्णता तक जारी रहता है।

(v) **गलतः** अर्न्तनिहित जोखिम एक खाता शेष अथवा सौदो की श्रेणी का मिथ्या विवरण या तो उसे व्यक्तिगत रूप अथवा जब अन्य शेष अथवा श्रेणी के साथ योग किया जाता से योग में संवेदनशील है यह मानकर कि कोई संबंधित आंतरिक नियंत्रण नहीं है।

(vi) **गलतः** कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 138 प्रत्येक प्राइवेट कम्पनी को पहले के वित्तीय वर्ष के दौरान 200 करोड़ अथवा अधिक की टर्नओवर अथवा गत वित्तीय वर्ष के दौरान किसी समय पर रुपये 100 करोड़ अथवा अधिक से अधिक बैंक अथवा वित्तीय संस्थान से अदत ऋण है, को आंतरिक अंकेक्षक नियुक्त करना होगा।

(vii) **गलतः** शब्द ''आंतरिक जांच'' का नैत्यिक प्रणाली के भाग के रूप में लगातार होने वाली परिचालित दिन प्रतिदिन ''जांच'' के रूप में परिभाषित किया है जहां पर एक व्यक्ति के कार्य को स्वतंत्र अथवा एक अन्य के कार्य के अनुपूरक रूप में साबित किया है, उद्देश्य त्रुटि अथवा धोखाधड़ी की रोक अथवा जल्द खोज है।

(viii) **गलतः** कम्पनी अधिनियम 2013 का प्रावधानों के अनुसार, एक व्यक्ति कम्पनी का अंकेक्षक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य है यदि वह कम्पनी में किसी हित अथवा प्रतिभूति को धारित करता है। क्योंकि चाटर्ड अकाउटेंड रुपये 950 की अंकित मूल्य वाली S. Ltd. की प्रतिभूति को धारण कर रहा है, वह S. Ltd. का अंकेक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं है।

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Answer 2:

(a) ऋण के अतिरिक्त दायित्व (ऊपर चर्चा की है) में व्यापार प्राप्य तथा अन्य चालू दायित्व, आस्थगित भुगतान क्रेडिट तथा प्रावधान सम्मिलित है। दायित्वों का सत्यापन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सम्पत्ति का, यह विचार करते हुए यदि दायित्व छूट गया (अथवा कम वर्णित है) अथवा अति वर्णित है चिट्ठा इकाई के कार्यकलाप का सत्य तथा उचित मद नहीं दिखायेगा। **{1 M}**

आगे, एक दायित्व चालू के रूप में वर्गीकृत है यदि यह निम्न मानदंड को संतुष्ट करती हैः **{2 M}**

- इसकी इकाई की सामान्य परिचालन चक्र में निपटारा होने की अपेक्षा है।
- इसे मुख्यतः व्यापारिक होने के उद्देश्य से रखा है।
- यह प्रतिवेदन अवधि के प्श्चात् बारह माह के अंदर निपटारा के लिए देय है।
- इकाई का प्रतिवेदन अवधि के प्श्चात् कम से कम बारह माह के लिए दायित्व का आस्थगन का बिना शर्त का अधिकार नहीं है। दायित्व की शर्त जो प्रतिपक्ष का विकल्प पर समता प्रलेख के निर्गम के द्वारा इसका निपटारा में परिणामतः होती है, इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करती।

Answer :

(b) बारम्बार बाहरी पुष्टि प्रक्रिया प्रासंगिक है, जब खाता शेष तथा उससे जुड़े अभिकथन को संबोधित करते हैं, परन्तु इन मदों तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, अंकेक्षक एक इकाई तथा अन्य पक्षों के मध्य समझौता, संविदा अथवा सौदों के संदर्भ में बाहरी पुष्टि की मांग कर सकता है। बाहरी पुष्टि प्रक्रिया को कुछ शर्तो के अभाव के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निष्पादित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक प्रार्थना विशेष रूप से पुष्टि की मांग कर सकती है कि कोई ''साइड समझौते'' विद्यमान नहीं है जो इकाई की राजस्व कट ऑफ अभिकथन से प्रासंगिक है। अन्य स्थिति जहां पर बाहरी **{1 M}**

पुष्टि प्रक्रिया सारवान मिथ्या विवरण की समीक्षा जोखिम के प्रत्युत्तर में प्रासंगिक अंकेक्षण साक्ष्य प्रदान कर सकता है:

- बैंकिंग संबंध से प्रासंगिक बैंक शेष तथा अन्य सूचना
- खाता प्राप्य शेष तथा अवधि
- प्रक्रियागत अथवा प्रेषण के लिए माल भण्डारण गृहों पर तृतीय पक्ष द्वारा धारित स्कंध
- सुरक्षा अमानत अथवा सुरक्षा के लिए वकीलों अथवा वित्त प्रदानकर्ता द्वारा धारित सम्पत्ति हक विलेख
- तृतीय पक्षकारों के द्वारा सुरक्षित रखने के लिए धारित निवेश अथवा स्टॉक ब्रोकर्स से क्रय परन्तु तुलनपत्र तिथि तक सुपुर्दगी नहीं।
- पुर्नभुगतान की प्रासंगिक शर्त तथा प्रतिबंध संविदा सहित लेनदारों को देय राशि
- खाता भुगतान योग्य शेष तथा अवधि।

{Any 4 Point Each 1/2 Mark}

Answer:

(c) अंकेक्षक के अंकेक्षण जोखिम को शून्य तक करने की अपेक्षा नहीं की जाती तथा ना ही की जा सकती है तथा इसलिए वित्तीय विवरण से पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता कि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है। ऐसा है कि क्योंकि अंकेक्षण की अंतर्निहित सीमायें है। यह एक अंकेक्षण की अर्न्तनिहित परिसीमा के कारण है:

(i) वित्तीय रिपोर्टिग की प्रकृतिः वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्यों तथा परिस्थितियों का इकाई की लागू वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबन्धन द्वारा निर्णयन लिप्त है। इसके अतिरिक्त कई वित्तीय विवरण मदों में विषयपूरक निर्णय अथवा समीक्षा अथवा अनिश्चितता की डिग्री लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयन की श्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सकता है। **{1 M}**

(ii) अंकेक्षण प्रक्रियाओं की प्रकृत्तिः अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने की अंकेक्षक की योग्यता पर व्यवहारिक तथा कानूनी सीमा है। उदाहरण के लिए:

1. यह संभावना है कि प्रबंधन अथवा अन्य जानबूझकर अथवा अनजाने में पूर्ण सूचना को प्रदान ना करें जो वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है अथवा जिसका अनुरोध अंकेक्षक द्वारा किया है।
2. धोखाधड़ी में उसे छुपाने के लिए अनुरोध अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक डिजाइनें योजना लिप्त है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण केलिए प्रपत्रीकरण का असत्य करने के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अंकेक्षण को यह विश्वास दिला सकती है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह है नहीं। अंकेक्षक ना ही प्रशिक्षित ना ही प्रपत्र के प्रमाणीकरण में दक्ष है। **{1 M}**
3. एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने में एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है, तदानुसार अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है, जैसे खोज का अधिकार जो कि एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) वित्तीय रिपोर्टिग की समयबद्धता तथा लाभ तथा लागत के मध्य संतुलनः कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत का मामला स्वंय में अंकेक्षक के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया को छोड़ने का वैध आधार नहीं है, जहां पर कोई विकल्प नहीं है।

उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए उपलब्ध पर्याप्त समय तथा संसाधन को बनाने में सहायता करते हैं। इसके बावजूद, सूचना की प्रासंगिकता तथा इसका मूल्य समय के साथ कम होता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन नहीं है। **{1 M}**

(iv) अन्य मामले जो एक अंकेक्षण की सीमा को प्रभावित करते हैः कुछ विषय वस्तुओं के मामले में, सारवान मिथ्या विवरण को खोजन की अंकेक्षक की परिसीमा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार का अभिकथन अथवा विषय वस्तु में सम्मिलित है।

- धोखाधड़ी विशेष रूप से वरिष्ठ प्रबंधन का शामिल होना अथवा सांठगांठ
- संबंधित पक्ष संबंध तथा सौदे की विद्यमानता तथा पूर्णता
- कानून तथा अधिनियमों का गौर अनुपालन का घटित होना
- भावी घटना अथवा स्थिति जो एक इकाई को चलायमान संस्था को जारी नहीं रखती। **{1 M}**

Answer:

(d) अंकेक्षण साक्ष्य अंकेक्षक की राय तथा रिपोर्ट के समर्थन के लिए आवश्यक है। यह प्रकृति में संचयी है तथा मुख्यतः अंकेक्षक के दौरान निष्पादित अंकेक्षण प्रक्रिया से प्राप्त किया है। यद्यपि इसमें अन्य स्त्रोत जैसे गत अंकेक्षण से प्राप्त सूचना सम्मिलित होगी। इकाई के अंदर तथा बाहर स्त्रोत के अतिरिक्त इकाई का लेखांकन रिकॉर्ड अंकेक्षण साक्ष्य का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है। साथ में सूचना जिसे अंकेक्षण साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है, को प्रबन्धन का विशेषज्ञ का कार्य उपयोग कर तैयार किया जाता है। अंकेक्षण साक्ष्य दोनों सूचनाओं से मिलकर बना है जो प्रबन्धकीय अभिकथन का समर्थन तथा सपुष्टी करता है तथा कोई सूचना जो इस प्रकार का अभिकथन का खंडन करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ मामलो में, सूचना का अभाव (उदाहरण के लिए, प्रबन्धन की आवेदित प्रतिरूप को प्रदान करने में इन्कार करना) को अंकेक्षक द्वारा प्रयुक्त किया जाता है, तथा इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य बनाता है। **{2 M}**

अंकेक्षक की राय बनाने में ज्यादातर अंकेक्षक का कार्य अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने तथा आंकलन करने से मिलकर बना है। अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया में जांच के अतिरिक्त निरीक्षण अवलोकन पुष्टी, पुनः गणना, पुनः निष्पादन तथा विश्लेषणात्मक प्रक्रिया प्रायः कुछ समन्वय में सम्मिलित हो सकती है। यद्यपि जांच महत्वपूर्ण अंकेक्षण साक्ष्य को प्रदान करती है तथा मिथ्या विवरण का साक्ष्य प्रस्तुत कर सकती है, जांच अकेली अभिकथन स्तर पर सारवान मिथ्या विवरण के अभाव का पर्याप्त अंकेक्षण साक्ष्य अथवा नियंत्रण की परिचालन प्रभावदेयता को प्रदान नहीं करता। **{1 M}**

जैसा एस.ए. 200 ''स्वतंत्र अंकेक्षक का सम्पूर्ण उद्देश्य तथा अंकेक्षण पर मानक के अनुसार एक अंकेक्षण का परिचालन'' में स्पष्ट किया है, उचित आश्वासन को प्राप्त किया जाता है जब अंकेक्षक ने अंकेक्षण जोखिम (अर्थात जोखिम जिस पर अंकेक्षक एक अनुपयुक्त राय प्रकट करता है जब वित्तीय विवरण सारवान रूप से मिथ्या वर्णित है, की स्वीकार्य न्यून स्तर तक कम करने के लिए पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर लिया। अंकेक्षण साक्ष्य की पर्याप्तता तथा उपर्युक्तता एक दूसरे से परस्पर संबंधित है। **{1 M}**

Answer 3:

(a) आज की डिजिटल आयु में जब व्यापार को परिचालित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तथा नेटवर्क पर ज्यादा से ज्यादा विश्वास करते है, डाटा तथा सूचना की राशि जो इस प्रणाली में प्रचुर रूप से विद्यमान एक प्रसिद्ध व्यापारी ने हाल में कहा है, ''डेटा एक नया तेल है''। **{1 M}**

प्रक्रिया, उपकरण तथा तकनीक का समन्वय जिसे अर्थपूर्वक सूचना को प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रोनिक डाटा की विशाल राशि का लाभ उठाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, को डाटा विश्लेषण कहते हैं। जबकि यह सत्य है कि कम्पनी बढ़ी हुई लाभदायकता, बेहतर ग्राहक सेवा, प्रतिस्र्द्धी लाभ को प्राप्त करने, ज्यादा कुशल परिचालन इत्यादि के संदर्भ में डाटा विश्लेषण के उपयोग से काफी लाभ उठा सकती है, यहां तक अंकेक्षक अंकेक्षण प्रक्रिया में इसी प्रकार के उपकरण तथा तकनीक का उपयोग कर सकते हैं तथा अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उपकरण तथा तकनीकी जिसे डाटा विश्लेषण का सिद्धात लागू करते हैं, को कम्प्यूटर सहायक अंकेक्षण तकनीक अथवा संक्षेप में CAAT है। **{2 M}**

डाटा विश्लेषण का स्प्रेडशीट तथा विशेषज्ञ अंकेक्षण उपकरण जैसे IDEA तथा ACL को निम्न में निष्पादन के लिए उपयोग कर आई.टी. प्रणाली में रहने वाले डाटा तथा इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड के परीक्षण में प्रयुक्त किया जा सकता है।

- डाटा तथा जनसंख्या पूर्णता की जांच करना जिसे या तो नियंत्रण के परीक्षण में अथवा यथार्थवाही अंकेक्षण परीक्षण में प्रयुक्त किया जाता है
- अंकेक्षण सेम्पल का चयन – यादृच्छिक सेम्पलिंग, क्रमबद्ध सेम्पलिंग
- शेष की पुर्नगणना – सौदा डाटा से तलपट की पुनः संरचना
- गणितीय गणना का पुनः निष्पादन – ह्रास, बैंक ब्याज गणना

{1 M}

- जर्नल प्रविष्टी का विश्लेषण जैसा द्वारा आवश्यक है
- धोखाधड़ी अन्वेषण
- नियंत्रण कमियों के प्रभाव का आंकलन

Answer:

(b) सूचना अंकेक्षक को मुवक्किल के साथ संबंधों को स्वीकृत तथा जारी रहने में सहायता करता हैः SA 220, ''वित्तीय विवरण का अंकेक्षण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण'' के अनुसार अंकेक्षक को एक विद्यमान लिप्तता को जारी रहने तथा कब विद्यमान मुवक्किल के साथ नयी नियुक्ति को स्वीकृत करना चाहिए एक नये मुवक्किल के साथ नियुक्ति को स्वीकृत करने से पूर्व परिस्थिति में आवश्यक विचार की जाने वाली सूचना पर विचार करना चाहिए। निम्न सूचना मुवक्किल के साथ संबंध को स्वीकृत करने तथा जारी रखने में अंकेक्षक की सहायता करेगी : **{1 M}**

(i) प्रमुख स्वामी, मुख्य प्रबंधन तथा इकाई के संचालन से प्रभारित व्यक्ति की अखंडता,

(ii) क्या लिप्तता दल अंकेक्षण लिप्तता को निष्पादित करने में सक्षमह" तथा समय तथा संसाधन सहित आवश्यक सक्षमता को रखता है, **{1 M}**

(iii) क्या फर्म तथा लिप्तता दल प्रासंगिक नैतिक आवश्यकता की अनुपालन कर सकता है, तथा

(iv) महत्वपूर्ण मामला जो वर्तमान अथवा गत अंकेक्षण लिप्तता के दौरान उत्पन्न होता है तथा संबंध को जारी रहने के दौरान उनका प्रभाव है। **{1 M}**

Answer :

(c) (a) Modification of Opinion: अंकेक्षक को अंकेक्षक की रिपोर्ट में राय का संशोधन करना होगा जब :

(i) अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त नहीं है।

(ii) अंकेक्षक यह निष्कर्ष निकालने में कि वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है, पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है। **{1 M}**

(b) Disclaimer of Opinion: अंकेक्षक एक राय का अदावा करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है जिस पर उसकी राय आधारित है, तथा अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि वित्तीय विवरण पर गैर–खोजी मिथ्या विवरण यदि कोई है तो का संभव प्रभाव दोनों समग्र तथा व्यापार हो सकता है।

अंकेक्षक बहु अनिश्चितता में लिप्त दुर्लभ परिस्थिति में जब एक राय का अदावा करेगा, जब वह निष्कर्ष निकालता है कि प्रत्येक व्यक्तिगत अनिश्चितता के संबंध में पर्याप्त, उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बावजूद उसके लिए अनिश्चितता का भावी संवाद तथा उनके वित्तीय विवरण पर संभव संग्रहीत प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण पर राय बनाना संभव नहीं है। **{1 M}**

(c) Adverse Opinion: अंकेक्षक एक प्रतिकूल राय को व्यक्त करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बाद निष्कर्ष निकालता है कि मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की समग्र तथा व्यापक है। **{1 M}**

(d) Qualified Opinion: अंकेक्षक एक मर्यादित राय प्रकट करेगा जब–

(i) अंकेक्षक ने पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर निष्कर्ष निकाला है, मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है।

(ii) अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य जिस पर उसकी राय आधारित है को प्राप्त करने में असमर्थ रहता है परन्तु अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि गैर–खोजी मिथ्या विवरण का संभव प्रभाव यदि कोई है तो सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है। **{1 M}**

Answer:

(d) कृषि अग्रिम

दिशा–निर्देशों के अनुसार, कृषि अग्रिम दो प्रकार के हैं,

(1) ''लम्बी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम और **{1 M}**

(2) ''छोटी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम
''लम्बी अवधि'' की फसलों के एक वर्ष से अधिक फसलों की फसल होगी और फसलों, जो ''लम्बी अवधि'' नहीं है, को ''लघु अवधि'' फसलों के रूप में माना जाएगा।

प्रत्येक फसल के लिए फसल को मौसम, जिसका मतलब हैं, कि उठाए गए फसलों की कटाई की अवधि प्रत्येक राज्य में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी।
निम्नलिखित एनपीए मानदण्ड कृषि अग्रिमों (क्रॉप अवधि ऋण सहित) पर लागू होगेः

- अल्प अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए जाएगा, यदि मूलधन या ब्याज की किश्त दो फसलों के मौसमों के लिए अतिदेय रहती हैं औरं,
- लंबी अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए माना जाएगा, यदि एक फसल सीजन के लिए मूलधन या ब्याज की किश्त एक अतिदेय नहीं है। **{2 M}**

Answer 4:

(a) CIS वातावरण में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विश्वसनीयता : CIS वातावरण में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विश्वसनीयता का आंकलन के लिए अंकेक्षक निम्नलिखित पर विचार करेगा :

(i) प्रोसेसिंग के लिए प्राधिकृत सही तथा पूर्ण डाटा उपलब्ध किया गया है।
(ii) कि यह त्रुटि की समयबद्ध खोज तथा सुधार को प्रदान करता है।
(iii) कि यंत्रीकरण, विद्युत अथवा प्रोसेसिंग विफलता के कारण व्यवधान के मामले में, प्रणाली प्रविष्टी तथा रिकार्ड की पूर्णता को तोड़े मरोड़े के बिना पुनः आरंभ होता है।
(iv) कि यह आउटपुट की शुद्धता तथा पूर्णता को सुनिश्चित करता है।
(v) कि यह धोखाधड़ी के विरूद्ध अनुप्रयोग सोफ्टवेयर तथा डाटा फाइल को सुरक्षा प्रदान करती है।
(vi) कि यह प्रोग्राम में गैर प्राधिकृत संशोधन को रोकता है। **(Any 4 Points Each 1 Mark)**

Answer:

(b) लेखा परीक्षा की योजना में कार्य के लिए समग्र अंकेक्षण की रणनीति बनाने और अंकेक्षण योजना का विकास करना शामिल है। पर्याप्त योजनाओं में वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण को कई तरह से लाभान्वित किया गया है, जिसमें निम्नलिखित शामिल है– **{1 M}**

1. अंकेक्षण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उचित ध्यान देने के लिए अंकेक्षक की सहायता करना।
2. लेखा परीक्षक की सहायता से समय–समय पर संभावित समस्याओं को हल किया जा सकता है।
3. लेखा परीक्षक की मदद से अंकेक्षण कार्य को व्यवस्थित और प्रबंधित किया जा सके, ताकि वह कुशल तथा प्रभावी तरीके से किया जाये।
4. प्रत्याशित जोखिमों का उत्तर देने के लिए योग्यता स्तरों और क्षमता के साथ कार्यदल के सदस्यों के चयन में सहायता और उनके लिए उचित काम को सौंपना।
5. कार्य दल के सदस्यों की दिशा और पर्यवेक्षण की सुविधा और उनके काम की समीक्षा करना।
6. अवयवों के लेखा परीक्षकों और विशेषज्ञों द्वारा किए गए कार्यो के समन्वय में जहां उपयुक्त हो, सहायता करना। **{1/2 M Each point}**

Answer:

(c) **प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण का उद्देश्य**

SA 701, ''अंकेक्षक की रिपोर्ट में प्रमुख अंकेक्षण मामलों का संप्रेषण के अनुसार, प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण का उद्देश्य जिसे निष्पादित किया, के बारे में ज्यादा पारदर्शिता का प्रदान करने का अंकेक्षक का रिपोर्ट का संप्रेषण मूल्य को बढ़ाया है। प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण एच्छिक उपयोगकर्ता को उन मामला में समझने में उसकी सहायता करने के लिए अतिरिक्त सूचना को प्रदान करता है जो अंकेक्षक की पेशेवर निर्णयन में चालू अवधि का वित्तीय विवरण का अंकेक्षण में ज्यादा महत्व का है। **{2 M}**

प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण इकाई को समझने तथा अंकेक्षित वित्तीय विवरण में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय निर्णय का क्षेत्र में एच्छिक उपयोगकर्ताओं की भी सहायता करता है। **{1 M}**

Answer:

(d) चूंकि अमूर्त संपत्ति भौतिक पदार्थों के बिना एक पहचान योग्य गैर–मौद्रिक संपत्ति है, ऐसी परिसंपत्तियों के अस्तित्व की स्थापना के लिए, लेखा परीक्षक को यह सत्यापित करना चाहिए कि ऐसी अमूर्त संपत्ति दूसरों के लिए किराये के लिए माल या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में सक्रिय उपयोग में है या नहीं। , या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग में है या नहीं।
उदाहरण– सॉफ्टवेयर के अस्तित्व की पुष्टि करने के लिए, ऑडिटर को यह सत्यापित करना चाहिए कि क्या ऐसा सॉफ्टवेयर इकाई द्वारा सक्रिय उपयोग में है और इस उद्देश्य के लिए, ऑडिटर को ऑडिट के तहत अवधि के दौरान संबंधित सेवाओं / वस्तुओं की बिक्री का सत्यापन करना चाहिए, जिसमें इस तरह के सॉफ्टवेयर हैं इस्तेमाल किया गया। **{$1^{1/2}$ M}**

उदाहरण– डिजाइन / रेखाचित्रों के अस्तित्व की पुष्टि करने के लिए, ऑडिटर को यह निर्धारित करने के लिए उत्पादन डेटा को सत्यापित करना चाहिए कि क्या ऐसे उत्पाद जिनके लिए डिजाइन / चित्र खरीदे गए थे, वे इकाई द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे हैं।
यदि कोई अमूर्त संपत्ति सक्रिय उपयोग में नहीं है, तो इकाई के प्रबंधन द्वारा खाता पोस्ट अनुमोदन की किताबों में विलोपन दर्ज किया जाना चाहिए और विलोपन की तारीख से आगे बढ़कर परिशोधन शुल्क समाप्त हो जाना चाहिए था। **{$1^{1/2}$ M}**

Answer 5:

(a) उपयुक्ता अंकेक्षण 'उपयुक्तता अंकेक्षण' के अनुसार अंकेक्षक उन अनुचित दशाओं, अपरिहार्यताओं, निष्फल व्ययों चाहे वे व्यय सम्बन्धित नियमों तथा नियमनों की सीमओं के अन्तर्गत ही उपगत व्यय क्यों न हों, को खोजने का प्रयत्न करता हैं। समय बीतने के साथ–साथ यह अनुभव किया गया कि केवल नियमित अंकेक्षण ही सार्वजनिक हितों की उचित सुरक्षा करने में पर्याप्त नहीं है। एक लेन–देन को इन सभी आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करना होता हैं, जिनकी आवश्यकता नियमित लेन–देनों के सम्बन्ध में होती है अर्थात वे विभिन्न औपचारिकताएँ तथा नियम जिनकी आवश्यकता लेन–देनों के सम्बन्ध में होती है अर्थात वे विभिन्न औपचारिकताएँ तथा नियम जिनकी आवश्यकता लेन–देनों की पूर्णता को सुनिश्चित करने से सम्बन्धित होती हैं, उनका पालन किया जाना चाहिए, परन्तु ये अब भी अत्यन्त दोषपूर्ण हो सकती हैं। टेलीफोन एक्सचेंज (Telephond Exchange) को लगाने में इमारत का निर्माण किया जा सकता है, परन्तु इस भवन का उपयोग हो सकता हैं, उस रूप में न किया जाये, परिणापस्वरूप ऐस व्यय निष्फल हो सकते हैं, अथवा विद्यालय चलाने के उद्देश्य से एक भवन का निर्माण कराया जाये, परिणामस्वरूप ऐसे व्यय निष्फल हो सकते हैं, अथवा विद्यालय चलाने के उद्देश्य से एक भवन का निर्माण कराया जाये, परन्तु उसका प्रयोग पाँच वर्षो के पश्चात जब भवन बनकर तैयार हो जाए तब किया जाये यह अपरिहार्य व्ययों से सम्बन्धित एवं दशा है। **{1 M}**

अतएव अंकेक्षण सार्वजनिक वित्तीय नैतिकता को बुद्धि, वफादारी तथा लेन–देनों की किफायत के सन्दर्भ में देखने का प्रयास करता हैं, जिससे उच्चस्तरीय मानकों को प्राप्त किया जा सके। इन विचारों से उपयुक्तता अंकेक्षण का उदय हुआ, जिन्हें अब अंकेक्षण अधिकरणों के साथ नैतिक कार्यो की तरह प्रयोग में लाया जाता है। उपयुक्तता के प्रति अंकेक्षण के मार्ग को नियंत्रित करने हेतु किसी सूक्ष्म नियमावली का सृजन काफी कठिन होता है। अंकेक्षक का एक उद्देश्य अपनी स्वीकृति के लिए सामान्य विवके तथा अंकेक्षकों की तर्कशक्ति की अपील करता है तथा उन व्यक्तियों के विवके की मांग करता है, जिनके वित्तीय लेन–देन उपयुक्तता अंकेक्षण के क्षेत्र में आते है। वैसे कुछ सामान्य सिद्धान्त अंकेक्षण मानदण्ड संहिता में बनाये गये हैं, जिनको काफी लम्बे समय से वित्तीय औचित्य का मानदण्ड माना जा रहा है। औचित्य के प्रति अंकेक्षण यह आश्वासन पाने का प्रयास करता है कि व्यय इन सिद्धान्तों से मेल खाते हैं, जिनको नीचे समझाया जा रहा है: **{1 M}**

(a) व्यय सरसरी तौर से मौके की मांग से अधिक नहीं होनी चाहिये। प्रत्येक सरकारी अधिकारी से आशा की जाती है कि सार्वजनिक धन से किये जाने वाले व्यय के सम्बन्ध में वही सावधानी बरते जो एक सामान्य विवेकशील प्राणी अपने निजी धन के खर्चे के सम्बन्ध में बरतता है।

(b) कोई भी सत्ता ऐसे व्ययों की स्वीकृति की शक्ति का उपयोग न करे ऐसा आदेश पास करने के लिए जो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उसके अपने निजी लाभों के लिए हो।

(c) सार्वजनिक धन को समाज के किसी वर्ग विशेष या व्यक्ति विशेष के हितार्थ उपयोग न किया जाये जब तक कि:

(i) सन्निहित व्यय की राशि महत्वहीन सी न हो; या

(ii) राशि के लिए कोई दावा न्यायालय में प्रवर्तनीय न कराया जा सके; या

(iii) व्यय मान्य नीतियाँ तौर–तरीके के अनुरूप न रहे; तथा

(iv) भत्तों की राशि जैसे यात्रा भत्ता एक विशेष प्रकार के व्ययों को पूरा करने के लिए स्वीकार किया जाता है, इसको इस प्रकार किया जाये कि भत्ते, कुल–मिलाकर प्राप्तकर्ता के लिए लाभ के स्रोत न बन जायें। **{1 M}**

Answer:

(b) आज की डिजिटल आयु में जब व्यापार को परिचालित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तथा नेटवर्क पर ज्यादा से ज्यादा विश्वास करते है, डाटा तथा सूचना की राशि जो इस प्रणाली में प्रचुर रूप से विद्यमान एक प्रसिद्ध व्यापारी ने हाल में कहा है, ''डेटा एक नया तेल है''। **{1 M}**

प्रक्रिया, उपकरण तथा तकनीक का समन्वय जिसे अर्थपूर्वक सूचना को प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रोनिक डाटा की विशाल राशि का लाभ उठाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, को डाटा विश्लेषण कहते हैं। जबकि यह सत्य है कि कम्पनी बढ़ी हुई लाभदायकता, बेहतर ग्राहक सेवा, प्रतिस्र्द्धी लाभ को प्राप्त करने, ज्यादा कुशल परिचालन इत्यादि के संदर्भ में डाटा विश्लेषण के उपयोग से काफी लाभ उठा सकती है, यहां तक अंकेक्षक अंकेक्षण प्रक्रिया में इसी प्रकार के उपकरण तथा तकनीक का उपयोग कर सकते हैं तथा अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उपकरण तथा तकनीकी जिसे डाटा विश्लेषण का सिद्धात लागू करते हैं, को कम्प्यूटर सहायक अंकेक्षण तकनीक अथवा संक्षेप में CAAT है। **{1 1/2 M}**

डाटा विश्लेषण का स्प्रेडशीट तथा विशेषज्ञ अंकेक्षण उपकरण जैसे IDEA तथा ACL को निम्न में निष्पादन के लिए उपयोग कर आई.टी. प्रणाली में रहने वाले डाटा तथा इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड के परीक्षण में प्रयुक्त किया जा सकता है। **{1 1/2 M}**

- डाटा तथा जनसंख्या पूर्णता की जांच करना जिसे या तो नियंत्रण के परीक्षण में अथवा यथार्थवाही अंकेक्षण परीक्षण में प्रयुक्त किया जाता है
- अंकेक्षण सेम्पल का चयन – यादृच्छिक सेम्पलिंग, क्रमबद्ध सेम्पलिंग
- शेष की पुर्नगणना – सौदा डाटा से तलपट की पुनः संरचना
- गणितीय गणना का पुनः निष्पादन – ह्रास, बैंक ब्याज गणना
- जर्नल प्रविष्टी का विश्लेषण जैसा द्वारा आवश्यक है
- धोखाधड़ी अन्वेषण
- नियंत्रण कमियों के प्रभाव का आंकलन

Answer:

(c) ऐसे खाते जहाँ उधारकर्ताओं द्वारा किए गए सुरक्षा/धोखाधड़ी के मूल्य में कटाव होता हैं, सम्पति वर्गीकरण के चरणों का पालन करने के लिए विवेकपूर्ण नहीं। इसे सीधे–सीधे वर्गीकृत होना चाहिए, संदिग्ध या हानि सम्पति जैसा कि उपयुक्त हैं,

(i) सुरक्षा के मूल्य में क्षरण को सिक्योरिटी के रूप में माना जा सकता है, जब सुरक्षा के वसूली योग्य मूल्य बैंक द्वारा निर्धारित के 50 प्रतिशत से कम या आरबीआई द्वारा पिछले निरीक्षण के समय में स्वीकार किए जाते हैं, जैसा कि मामला हो। ऐसे एनपीए संदिग्ध श्रेणी के तहत सीधे–सीधे क्लास हो सकते है और संविधान सम्पति पर लागू प्रावधान के रूप में प्रावधान किया जाना चाहिए। **{1 1/2 M}**

(ii) यदि बैंक/अनुमोदित वैल्यूर्स/आरबीआई द्वारा मूल्यांकन के रूप में सुरक्षा के वसूली योग्य मूल्य उधारकर्ता खातों मे बकाया का 10 प्रतिशत से कम हैं, तो सुरक्षा की मौजदूगी को नजरअंदाज किया जाना चाहिए और परिसम्पति सीधे दूर होनी चाहिए, हानि परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत। यह या तो लिखित ओएफएफ या बैंक द्वारा पूरी तरह से प्रदान किया जा सकता है। **{1 1/2 M}**

Answer:

(d) **प्रावधान तथा स्पष्टीकरण** : कम्पनी अधिनियम 13 की धारा 141(3)(c) निर्धारित करता है कि कोई व्यक्ति जो कम्पनी का अधिकार अथवा कर्मचारी का साझेदार अथवा रोजगार में है जो एक कम्पनी का अंकेक्षक के रूप में कार्यवाही के लिए अयोग्य होगा। धारा 141 की उपधारा 4 प्रदान करता है कि एक अंकेक्षक जो अपनी नियुक्ति के पश्चात् धारा 141 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट किसी अयोग्यता के तहत है, वह एक अंकेक्षक के रूप में अपने पद को खली किया माना जायेगा। **{2 M}**

निष्कर्ष : वर्तमान मामले में, Laxman Limited का एक अंकेक्षक श्री A ने Laxman Limited का वित्त प्रबंधक श्री B के साथ साझेदार के रूप में सम्मिलित हुआ। दी गयी स्थिति में धारा 141 की उपधारा (3)(c) प्रभावित हुई तथा इसलिए, उसे धारा 141 की उपधारा (4) के अनुसार Laxman Limited का अंकेक्षक का पद को छोड़ा हुआ माना है। **{2 M}**

Answer 6:

(a) अंकेक्षण में सन्निहित विशिष्ट कदम होंगे :

(1) सत्यापन **(Verify)**
- (ए) शो के दौरान सिनेमा हॉल में प्रवेश केवल मुद्रित टिकटों के माध्यम से ही होता है।
- (बी) टिकटें क्रमांकित है तथा पुस्तकों में जिल्द बंद है।
- (सी) जारी की गई टिकटों के नम्बर प्रत्येक शो तथा श्रेणी के लिए अलग होते हैं, यद्यपि उसी दिन शो के लिए उसी श्रेणी के नम्बर प्रत्येक सप्ताह क्रमानुसार चलते हैं।
- (डी) अग्रिम बुकिंग के लिए टिकटों की एक पृथक श्रृंखला जारी की जाती है, तथा
- (ई) टिकटों का स्टॉक एक उत्तरदायी अधिकारी के कब्जे मं होता है।

(2) पुष्टि करना कि शो के अन्त में बिक्री टिकटों का एक विवरण तैयार किया जाता है तथा प्राप्त हुई रोकड़ को मिलाकर देखा जाता है।

(3) फ्री पासों का एक रिकॉर्ड रखा जाता है तथा उनको अधिकार के अंतर्गत ही जारी किया जाता है, इसकी पुष्टि करें ।

(4) वसूल हुए मनोरंजन कर की राशि का प्रत्येक श्रेणी के कुल टिकटों की संख्या से मिलान करें।

(5) दैनिक विवरण के हवाले से विभिन्न शो के लिए टिकटों की बिक्री पर वसूल हुई रोकड़ के सम्बन्ध में रोकड़ बही में प्रविष्टियों का प्रमाणन करें जिसकी किये गये विभिन्न शो के लिए निर्गमित टिकटों के रिकॉर्ड के साथ उपर्युक्त तौर से परीक्षण जॉच की जा चुकी है।

(6) विज्ञान स्लाइडो तथा शाट्स के लिए वसूल किये गये प्रभार को सिनेमा में रखे (Register of Slides and Shorts Exhibited) के हवाले से तथा इस संबंध में विज्ञापनकर्ताओं के साथ किये गये समझौतों के संदर्भ में सत्यापित किया जाये। **{Any 8 points each 1/2 marks}**

(7) विज्ञापन, मरम्मत तथा अनुसरण पर किये गये व्ययों का सत्यापन किया जाये। ऐसे व्ययों का कोई भी भाग पूंजीगत न किया जाये सिवाय व्यापक तौर पर साज–सज्जा के व्यय को छोड़कर तथा इसकी आस्थगत आगम व्ययों के रूप में समायोजित किया जाना चाहिए।

(8) पुष्टि करें कि फर्नीचर तथा मशीन पर ह्रास उपयुक्त दर से लगाया गया है, जो ऐसी सम्पत्तियों के संबंध में अन्य व्यवसायों की दशा में लागू होने वाली दरों से कहीं अधिक है।

(9) किराये पर ली गई फिल्मों के भुगतानों को वितरक के बिलों से प्रमाणित करना चाहिए अथवा संबंधित अनुबंधों के संदर्भ में उनका मिलान कर प्रमाणन करना चाहिए।

(10) फिल्म के किराये के संबंध में वितरकों की दी गयी अग्रिम धनराशि के असमायोजित शेषों से जॉचना चाहिए तथा यह देखना चाहिए, कि वे प्राप्त है तथा शोध्य है। यदि ऐसी कोई फिल्म है, जो चल रही है तथा उसके संबंध में भुगतान किया जा चुका है, तो यह देखना चाहिए, कि ऐसे अग्रिमों को अभी तक क्यों समायोजित नहीं किया गया है। प्रबंध से अग्रिमों के संबंध में प्रावधान बनाने के लिए भी सुझाव देना चाहिए, यह प्रावधान उनसे संबंधित होते हैं, जो शोधनीय है।

(11) रेस्टोरेन्ट की आय में भाग के संग्रहण हेतु व्यवसाय की भली प्रकार जॉच–पड़ताल की जानी चाहिये या तो टेकिंग्स (takings) की एक स्थायी राशि या एक स्थायी प्रतिशत वार्षिक तौर पर प्राप्त हो सकता है। उस स्थिति में जबकि रेस्टोरेंट सिनेमा हॉल द्वारा चलाया जा रहा तो इसकी

जॉच के लिए खातों की भी जॉच करनी चाहिये। अंकेक्षण में भोज्य पदार्थो को विभिन्न मदों के विक्रय, भोजन पदार्थ के क्रय, शीतल पेय, सिगरेट इत्यादि शामिल किये जाते हैं।

Answer:

(b) (1) **विज्ञापन व्ययः**

(i) विज्ञापन एजेंसी से बिलों/चालानों की पुष्टि करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न प्रकार के विज्ञापन के लिए शुल्क दरें अनुबंध के अनुसार हैं।
(ii) देखें कि विज्ञापन ग्राहक के व्यवसाय से संबंधित है।
(iii) एजेंसी द्वारा जारी रसीद का निरीक्षण करें।
(iv) व्यय की प्रकृति का पता लगाएं – राजस्व या पूंजीगत व्यय और देखें कि यह ठीक से दर्ज किया गया है।
(v) उस अवधि का पता लगाएं, जिसके लिए भुगतान किया गया है और देखें कि प्रीपेड राशि, यदि कोई हो, बैलेंस शीट पर ले जाए।
(vi) देखें कि सभी बकाया विज्ञापन बिल प्रदान किए गए हैं।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

(2) **स्क्रैप की बिक्रीः**

(i) आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा करें जैसा कि सृजन, भंडारण और स्क्रैप के निपटान के संबंध में है।
(ii) जॉच करें कि संगठन स्क्रैप की पीढ़ी के लिए उचित रिकॉर्ड बनाए हुए है या नहीं।
(iii) स्क्रैप के कच्चे माल, उत्पादन और उत्पादन पैटर्न का विश्लेषण करें और इसकी तुलना पहले वर्ष के figures से करें।
(iv) उन दरों की जॉच करें जिस पर स्क्रैप बेचा गया है और पिछले वर्ष की तुलना में दर की तुलना करें।
(v) वाउच की बिक्री, चालान के साथ, निविदा के लिए विज्ञापन, स्क्रैप डीलरों के साथ दर अनुबंध।
(vi) सुनिश्चित करें कि स्क्रैप और अच्छी इकाइयों की पहचान करने के लिए एक उचित नियंत्रण प्रक्रिया मौजूद है और उन्हें मिश्रित नहीं किया जाता है और स्क्रैप के रूप में बेचा जाता है।
(vii) स्क्रैप से प्राप्ति के मूल्य का समग्र मूल्यांकन करें।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

Answer:

(c) अंकेक्षक की रिपोर्ट में सम्मिलित मामला – वैधानिक देय तथा वित्तीय संस्थान, बैंक, सरकार को ऋण अथवा ऋणपत्र धारकों को देय (CARO, 2016) –

वाक्य (vii)(a) क्या कम्पनी भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, वेट, उपकर सहित गैर विवादित वैधानिक देय अथवा कोई अन्य वैधानिक देय को उपयुक्त प्राधिकरण के पास जमा करने में नियमित है तथा यदि नही तो संबंधित वित्तीय वर्ष के अंतिम दिवस पर भुगतान योग्य छह माह से ज्यादा की अवधि के लिए देय अदत वैधानिक देय का बकाया को संकेत देना होगा। **{1 M}**

वाक्य (vii)(b) जहां आयकर अथवा बिक्री कर अथवा सेवा कर अथवा सीमा शुल्क अथवा उत्पाद शुल्क अथवा वैट को किसी विवाद के कारण जमा नहीं किया, तब लिप्त राशि तथा फोरम जिस पर विवाद लम्बित है का वर्णन करना होगा (संबंधित विभाग को केवल एक प्रतिवेदन एक विवाद नहीं है)। **{1 M}**

वाक्य (viii) क्या कम्पनी ने एक वित्तीय संस्थान, बैंक, सरकार को ऋण का पुर्नभुगतान अथवा ऋणपत्र धारकों को देय में चूक की है? यदि हाँ तो, अवधि तथा प्रतिवेदित की जाने वाली चूक (बैंक, वित्तीय संस्थान तथा सरकार को चूक के मामले में, ऋणदाता अनुसार विवरण को प्रदान करना)। **{1 M}**

Answer:

(d) यदि, धोखाधडी अथवा संदिग्ध धोखाधडी के परिणामतः एक मिथ्या विवरण के परिणाम के रूप में, अंकेक्षक के साथ असाधारण परिस्थिति में आती है, जो अंकेक्षण के रूप में, अंकेक्षक के साथ असाधारण परिस्थिति में आती है, जो अंकेक्षण का निष्पादन को चालू रखने में अंकेक्षक की योग्यता को प्रश्न में लाता है, अंकेक्षक :

(a) परिस्थिति में लागू पेशेवर तथा कानूनी उत्तरदायित्व का निर्धारण करना जिसमें सम्मिलित है क्या व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है जिसने अंकेक्षण नियुक्ति की है अथवा कुछ मामले में विनियामक प्राधिकरण का; **{1/2 M}**

(b) विचार किजिए क्या लिप्तता से हटना उपयुक्त है जहां पर लागू कानून अथवा विनियमन के अन्तर्गत संभव है; तथा **{1/2 M}**

(c) यदि अंकेक्षक हटता है :

(i) प्रबंधन के उपयुक्त स्तर तथा जो उसके लिये जिम्मेदार है के साथ अंकेक्षक की लिप्तता से हटाने तथा हटाने के लिये कारणों की चर्चा करे।

(ii) निर्धारण करें क्या व्यक्ति अथवा व्यक्तियों जिन्होंने अंकेक्षण नियुक्ति की है अथवा कुछ मामलों में विनियामक प्राधिकरण को लिप्तता से अंकेक्षक का हटना तथा हटने का कारण को रिपोर्ट करने के लिए पेशेवर अथवा कानूनी आवश्यकता है।

(a) परिस्थिति में लागू पेशेवर तथा कानूनी उत्तरदायित्व का निर्धारण करें जिसमें सम्मिलित हैं क्या अंकेक्षक की व्यक्ति अथवा व्यक्तियों जिन्होंने अंकेक्षण नियुक्ति की है अथवा कुछ मामलों में विनियामन प्राधिकरण को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है;

(b) विचार करें क्या लिप्तता से हटने का उपयुक्त स्तर है जहां पर लागू कानून अथवा विनियमन के अन्तर्गत हटना संभव है तथा **{2 M}**

(c) यदि अंकेक्षक हटता है :

(i) प्रबंधन का उपयुक्त स्तर तथा संचालन से प्रभारित व्यक्तियों की लिप्तता से अंकेक्षक का हटना तथा हटना का कारण की चर्चा करना; तथा

(ii) निर्धारण करें क्या व्यक्ति अथवा व्यक्तियों जिन्होंने अंकेक्षण नियुक्ति की अथवा कुछ मामलों में विनियामक प्राधिकरण को लिप्तता से अंकेक्षक की नियुक्ति तथा हटने का कारण को रिपोर्ट करने की पेशेवर अथवा कानूनी आवश्यकता है।

—**—